डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय का प्रथम दीक्षांत समारोह

मैं भारत माता के चरणों को स्पर्श कर नमन करता हूँ।

जोहार!

1. डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय के प्रथम दीक्षांत समारोह के इस पावन अवसर पर, मैं आप सभी को हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं देता हूँ।

2. सर्वप्रथम, मैं आज उपाधि प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थियों को बधाई देना चाहता हूँ। यह न केवल आपकी सफलता है, बल्कि आपके माता-पिता, संकाय सदस्यों और कर्मियों के लिए भी गर्व का क्षण है, जिन्होंने इस पथ पर आपका सहयोग व मार्गदर्शन किया है। इस विश्वविद्यालय के कुलाधिपति के रूप में, मेरे लिए भी यह हर्ष का क्षण है।

3. प्रिय विद्यार्थियों, आज का दिन आपकी शैक्षणिक यात्रा में एक महत्वपूर्ण अवसर है। प्रसन्नता का यह क्षण आपकी स्मृति में सदैव अंकित रहेगा। हालाँकि, मैं आपसे कहना चाहूँगा कि आपकी शिक्षा यहीं समाप्त नहीं होती है, बल्कि यह वह नींव है जिस पर आप अपने भविष्य के प्रयासों का निर्माण करेंगे। यहां आपने जो ज्ञान और मूल्य अर्जित किया है, वे आपको आगे आने वाली चुनौतियों और अवसरों में मार्गदर्शन प्रदान करेंगे।

4. आप सदा बड़े स्वप्न देखें। सफलता रातोरात नहीं मिलती, यह कड़ी मेहनत एवं दृढ़ संकल्प का परिणाम है। हमारे पूर्व राष्ट्रपति डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम ने कहा था, "अपने सपने सच होने से पहले आपको सपने देखना होगा।" मुझे आपके रास्ते में आने वाली किसी भी बाधा को दूर करने की आपकी क्षमताओं पर पूरा विश्वास है।

5. मेरे प्रिय विद्यार्थियों, शिक्षा का अर्थ केवल व्यक्तिगत लाभ नहीं है, बल्कि समाज की भलाई में योगदान देना भी है। क्या आपने सोचा है कि आप कैसे बदलाव ला सकते हैं? कृपया अपनी सभी गतिविधियों में नैतिकता और सामाजिक जिम्मेदारी के महत्व पर विचार करें।

6. अपने समुदाय व समाज पर सकारात्मक प्रभाव डालने के लिए अपनी शिक्षा और कौशल का उपयोग करें। समाज के आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के छात्रों तक अपनी मदद पहुँचाएँ और उन्हें बेहतर शिक्षा के अवसर उपलब्ध कराने में सहायता करें। आपकी उपलब्धियों से न केवल आपको लाभ होना चाहिए बल्कि आपके आस-पास के लोगों का भी उत्थान होना चाहिए।

7. जैसे ही आप अपने जीवन के इस नए चरण की शुरुआत करते हैं, दूरदर्शी नेता व एक प्रख्यात राजनीतिज्ञ और आधुनिक भारत को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले प्रतिष्ठित शिक्षाविद् डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के शब्दों को याद रखें: "शिक्षा व्यक्ति के व्यक्तित्व का विकास है।" जब आप अपने जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए अथक प्रयास करते हैं तो इन शब्दों को सदा याद रखें।

8. राज्य के विश्वविद्यालयों के कुलाधिपति के रूप में, मैं अपने छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हूं। हमारे विश्वविद्यालयों को एक सशक्त शिक्षा प्रणाली के निर्माण में सदैव अहम भूमिका निभानी चाहिए। यह युग ज्ञान व प्रतिस्पर्धा का है। तकनीकी और अनवेषणात्मक ज्ञान वाले व्यक्तियों की हमेशा मांग और सम्मान रहेगा।

9. इस संस्थान के विद्यार्थियों को उनकी क्षमता हासिल करने में मदद करनी चाहिए। सिर्फ इमारत या बुनियादी ढांचे से संस्थान की पहचान नहीं आँकी जा सकती। विद्यार्थियों का प्रदर्शन ही विश्वविद्यालय की पहचान स्थापित करता है। हमारे देश के

युवाओं ने ही भारत की विकास गाथा रची है। आज हमारे परम आदरणीय माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के दूरदर्शी नेतृत्व में पूरा विश्व हमारे देश को एक उभरती हुई महाशक्ति के रूप में देखती है। हमारा देश सक्रिय रूप से 2047 तक 'विकसित भारत' की दिशा में आगे बढ़ रहा है। इस यात्रा में हममें से प्रत्येक को महत्वपूर्ण भूमिका निभानी है।

10. एक बार पुनः सभी स्नातकों को बधाई। आप साहस, आत्मविश्वास और उत्कृष्टता के प्रति प्रतिबद्धता के साथ आगे बढ़ें, और कामना करता हूं कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय सकारात्मक सामाजिक परिवर्तन को प्रेरित करते हुए अकादमिक प्रतिभा के प्रतीक के रूप में चमकता रहे

धन्यवाद, एवं आपके भविष्य के प्रयासों के लिए शुभकामनाएँ।

जय हिन्द! जय झारखण्ड!